

**नामी वि.** (फा.) 1. नामवाला 2. जिसका नाम या प्रसिद्धि हो, प्रसिद्ध 3. यशस्वी 4. प्रतिष्ठित।

**नामी-गिरामी वि.** (फा.) प्रसिद्ध और पूजनीय।

**नामुआफिक वि.** (फा.) 1. जो अनुकूल न हो, प्रतिकूल, विरुद्ध 2. जो किसी से सहमत न हो, असहमत।

**नामुकम्मल वि.** (अर.+फा.) जो पूरा न हो, अपूर्ण, अधूरा।

**नामुकम्मिल वि.** (अर.+फा.) दे. नामुकम्मल।

**नामुनासिब वि.** (फा.+अर.) 1. जो उचित न हो, अनुचित 2. अश्लील।

**नामुमकिन वि.** (फा.+अर.) जो मुमकिन न हो, असंभव।

**नामुराद वि.** (फा.) 1. असफल मनोरथ, नाकाम 2. अभागा, बदनसीब।

**नामुवाफिक वि.** (फा.+अर.) नामुआफिक, प्रतिकूल।

**नामूद स्त्री.** (फा.+नमूद) 1. आविर्भाव 2. धूम-धाम, तड़क-भड़क 3. ख्याति, प्रसिद्धि।

**नामूसी स्त्री.** (अर.) 1. बेइज्जती 2. बदनामी, निंदा।

**नामे पुं.** (तत्.) 1. लेखे की बायीं ओर की गई प्रविष्टि जो किसी व्यय आदि को दिखाती है, नाम खाता, उधार खाता। 2. बैंक के अपने खाते से निकाली गई राशि।

**नामे अतिशेष पुं.** (तत्.) नामखाते और जमाराशियों का हिसाब करने पर शेष नामे राशि। debit balance

**नामे संज्ञापन पुं.** (तत्.) नामखाते की धनराशि के संबंध में बैंक आदि से प्राप्त सूचना। debit advice

**नामेहरबान वि.** (फा.) 1. जो मेहरबान अर्थात् अनुकूल या प्रसन्न न हो 2. बेरहम, दयाहीन 3. शत्रु, दुश्मन।

**नामोनिशान पुं.** (फा.) ऐसा चिह्न या लक्षण जिससे किसी चीज या बात के अस्तित्व का पता

चलता हो या प्रमाण मिलता हो प्रयो. अब तो उस गाँव का नामोनिशान भी नहीं रह गया।

**नामोल्लेख पुं.** (तत्.) किसी प्रसंग या विषय में किसी के नाम का उल्लेख।

**नामौजू वि.** (फा.) 1. जो मौजू या उपयुक्त न हो, अनुपयुक्त 2. अनुचित।

**नामौजूद वि.** (फा.+अर.) अनुपस्थित।

**नामौजूदगी स्त्री.** (फा.+अर.) अनुपस्थिति, अविद्यमानता।

**नाम्ना वि.** (तत्.) नामवाला, नामक जैसे दुर्गा नाम्ना।

**नाम्य वि.** (तत्.) 1. झुकाने योग्य, लचीला 2. जिसे झुकाना हो।

**नायँ पुं.** (तद्.) नाम क्रि.वि. नहीं।

**नाय पुं.** (तद्.) 1. नय, नीति 2. उपाय 3. नेता, अगुआ स्त्री. नाव, नैका।

**नायक पुं.** (तत्.) 1. ले जाने या पहुँचाने वाला व्यक्ति, नेता 2. सेना की एक टुकड़ी का प्रधान अधिकारी 3. प्रधान, प्रमुख, स्वामी 4. काव्य. किसी साहित्यिक रचना का प्रधान पुरुष पात्र 5. एक प्रकार का वर्णवृत्त 6. एक प्रकार का राग।

**नायका स्त्री.** (तद्.) वह वृद्धा स्त्री, जो युवतियों को अपने पास रखकर उनसे गाने-बजाने का पेशा और वेश्यावृत्ति कराती हों 2. कुटनी।

**नायकी वि.** (तत्.) नायक संबंधी, नायक का स्त्री. नायक होने की अवस्था, पद या भाव पुं. एक राग का नाम।

**नायकीकान्हड़ा पुं.** (तत्+देश.) संगी. एक प्रकार का कान्हड़ा (राग) जिसमें सभी कोमल स्वर लगते हैं।

**नायकीमल्लार पुं.** (तद्.) संगी. एक प्रकार का मल्लार (राग) जिसमें सभी शुद्ध स्वर लगते हैं।

**नायकु पुं.** (तद्.) नाचने वाला उस्ताद।

**नायत पुं.** (देश.) वैद्य।